चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 19 अगस्त 2026, अंक –339.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

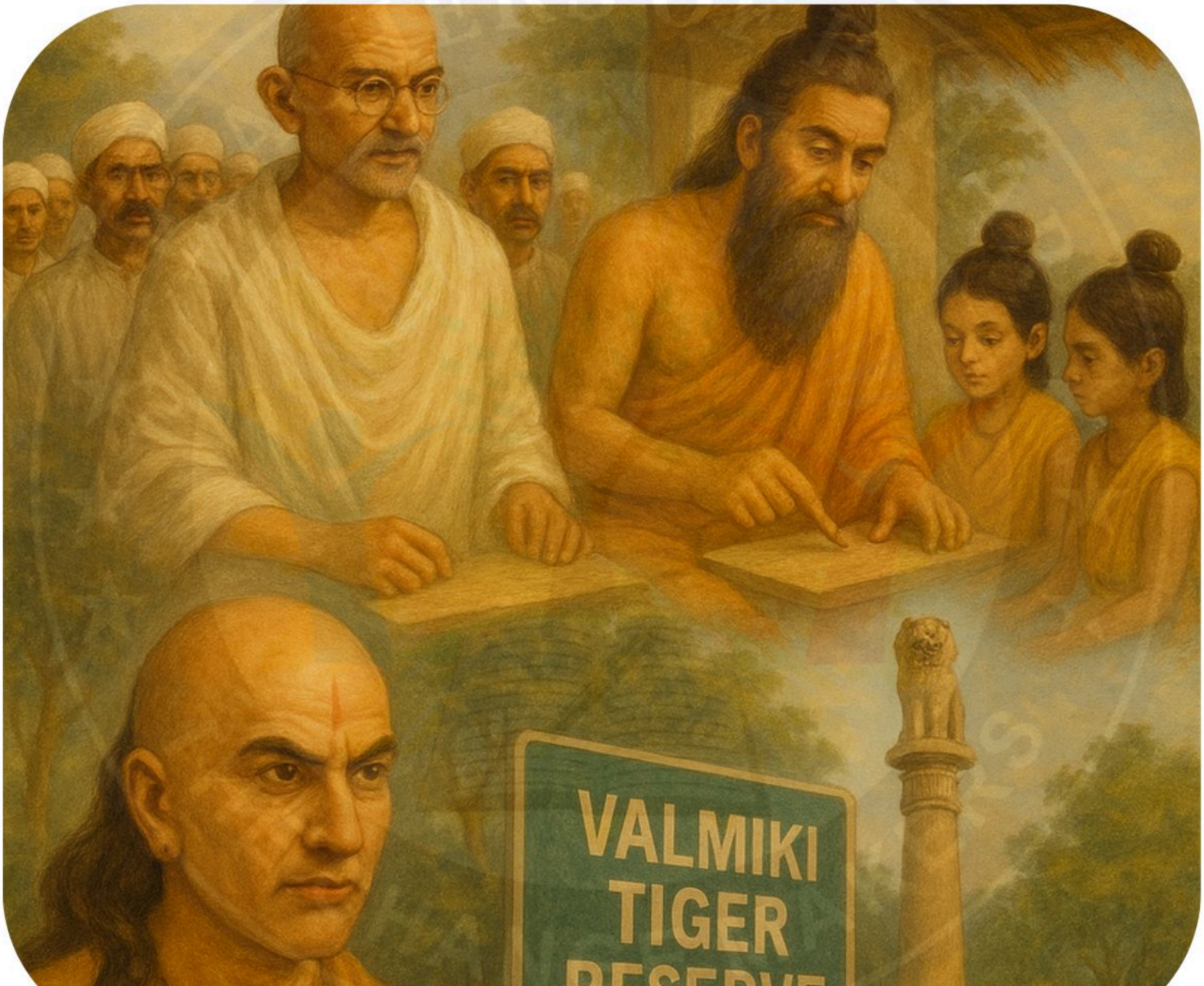

"ज्ञान का फल विनम्रता है।"

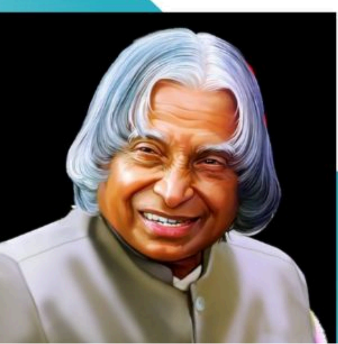

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादकः- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Wednesday Prayer

तू ही राम है, तू रहीम है,
तू करीम कृष्ण खुदा हुआ।
तू ही वाहे गुरु तू यीशू मसीह
हर नाम में तू समा रहा।
तू ही राम है..।

तेरी जात पाक कुरान में,
तेरा दरस वेद पुराण में।
गुरु ग्रन्थजी के बखान में,
तू प्रकाश अपना दिखा रहा।
तू ही राम है..।

अरदास है कहीं कीरतन
कहीं रामधुन कहीं आवहन।
विधि भेद का यह है सब रचन,
तेरा भक्त तुझको बुला रहा।
तू ही राम है..।

तेरा गुण नहीं हम गा सकें,
तुझे कैसे मन में ध्या सके।
है दुआ यहीं तुझे पा सकें,
तेरे दर पे सर ये झुका हुआ।
तू ही राम है..।

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणा: शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

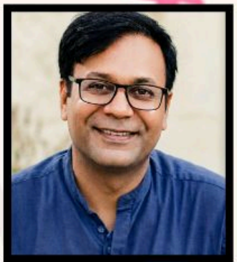

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:

भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –

(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

अनुभाग-2

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. पेरू की राजधानी क्या है?
उत्तर: लीमा
प्रश्न 2. भारत की पहली महिला राजदूत कौन थीं?
उत्तर: सी. बी. मुथम्मा
प्रश्न 3. 'छऊ' नृत्य की प्रसिद्ध शैली 'सरायकेला छऊ' किस राज्य से संबंधित है?
उत्तर: झारखंड
प्रश्न 4. रोमन संख्या 'XL' का मान क्या है?
उत्तर: 40
प्रश्न 5. बिहार की प्रसिद्ध बराबर गुफाएँ किस जिले में स्थित हैं?
उत्तर: जहानाबाद
प्रश्न 6. किस पक्षी को भारत का राष्ट्रीय पक्षी कहा जाता है?
उत्तर: मोर
प्रश्न 7. एक्स-रे की खोज किस वैज्ञानिक ने की थी?
उत्तर: विल्हेम रॉन्टजन
प्रश्न 8. भारत के राष्ट्रपति का कार्यकाल कितने वर्ष का होता है?
उत्तर: पाँच वर्ष
प्रश्न 9. 'जो दिखाई न दे' — उसके लिए एक शब्द क्या है?
उत्तर: अदृश्य
प्रश्न 10. पौधे का कौन-सा भाग मिट्टी से जल और खनिज लवण ग्रहण करता है?
उत्तर: जड़

संकलन:-

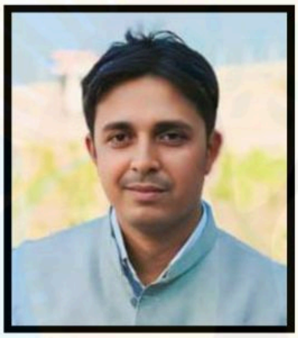

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Chimney – (चिमनी) – धुआँ निकालने की नली
Ventilator – (वेंटिलेटर) – रोशनदान / वायु-निकास
Ceiling – (सीलिंग) – छत की अंदरूनी सतह
Pillar – (पिलर) – खंभा
Corner – (कॉर्नर) – कोना
Corridor – (कॉरिडोर) – गलियारा
Veranda – (वेरांडा) – बरामदा

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: "किसके लिए ... करोगे/करोगी?" (Who will you ... for?)
तुम किसके लिए खाना बनाओगे/बनाओगी? – Who will you cook food for?
तुम किसके लिए उपहार खरीदोगे/खरीदोगी? – Who will you buy a gift for?
तुम किसके लिए काम करोगे/करोगी? – Who will you work for?
तुम किसके लिए यह पत्र लिखोगे/लिखोगी? – Who will you write this letter for?
तुम किसके लिए इंतज़ार करोगे/करोगी? – Who will you wait for?

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. 19 अगस्त को कौन सा महत्वपूर्ण दिवस मनाया जाता है और इसे किस घटना की स्मृति में स्थापित किया गया? (महत्वपूर्ण दिवस)

उत्तर: विश्व मानवतावादी दिवस (World Humanitarian Day); 2003 बगदाद बम विस्फोट

व्याख्या: 19 अगस्त को प्रतिवर्ष "विश्व मानवतावादी दिवस" (World Humanitarian Day) मनाया जाता है जो मानवतावादी संकटों में साहसपूर्वक कार्य करने वाले सहायता कर्मियों को सम्मानित करता है। इसे संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2008 में स्थापित किया था। (PWOnlyIAS) 19 अगस्त 2003 को इराक के बगदाद में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय पर बम विस्फोट में 22 मानवतावादी सहायता कर्मी मारे गए थे — जिनमें UN के मानवाधिकार उच्चायुक्त सर्जियो विएरा डी मेलो भी थे। (Awareness Days) 2026 का अभियान संदेश है: "#ActForHumanity — संघर्षों में नागरिकों और सहायता कर्मियों पर हमले बंद करो।" 19 अगस्त 2026 को UN जिनेवा में स्मरण समारोह आयोजित हुआ। (SPM IAS Academy) मदर टेरेसा, नेल्सन मंडेला जैसे प्रसिद्ध मानवतावादियों को UN OCHA (1991 में स्थापित) के माध्यम से वैश्विक मानवतावाद को संस्थागत रूप दिया गया।

संदर्भ: UNOG World Humanitarian Day 2026 Ceremony, 19 August 2026;

प्र.2. 17 अगस्त 2026 को "राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980" (NSA) के अंतर्गत क्या विवाद उठा और इस अधिनियम की मुख्य विशेषता क्या है? (समसामयिक घटना)

उत्तर: NSA के तहत निवारक हिरासत पर न्यायिक पुनर्विचार; 12 माह तक बिना मुकदमे हिरासत

व्याख्या: 17 अगस्त 2026 के UPSC करेंट अफेयर्स में NSA 1980 चर्चा में था। (SPM IAS Academy) "राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980" (NSA) एक "निवारक निरोध कानून" (Preventive Detention Law) है जो सरकार को किसी व्यक्ति को बिना मुकदमे चलाए अधिकतम 12 माह (विस्तार सहित) तक हिरासत में रखने की शक्ति देता है। इसके अंतर्गत: (1) हिरासत का उद्देश्य — राष्ट्रीय सुरक्षा, सार्वजनिक व्यवस्था या आवश्यक सेवाओं की सुरक्षा; (2) व्यक्ति को 5-10 दिन में हिरासत का कारण बताना होगा; (3) संसदीय सलाहकार बोर्ड की समीक्षा अनिवार्य। NSA को संविधान के अनुच्छेद 22(4) के अंतर्गत न्यायोचित ठहराया गया है। इस पर "बंदी प्रत्यक्षीकरण" (Habeas Corpus) याचिका सर्वोच्च न्यायालय में दायर होती है।

संदर्भ: National Security Act 1980; Constitution of India, Article 22;

प्र.3. "मानसरोवर" (Mansarovar) कहानी-संग्रह किस प्रसिद्ध हिंदी लेखक का है जो आठ भागों में प्रकाशित हुआ और जिसमें "कफ़न" जैसी अमर कहानियाँ हैं? (पुस्तक एवं लेखक)

उत्तर: मुंशी प्रेमचंद

व्याख्या: "मानसरोवर" मुंशी प्रेमचंद का बृहत् कहानी-संग्रह है जो आठ भागों में प्रकाशित हुआ। इसमें उनकी लगभग 300 से अधिक कहानियाँ संकलित हैं। इसमें "कफ़न" (भूख और शोक पर), "पूस की रात" (किसान की व्यथा), "ईदगाह" (बाल मनोविज्ञान), "दो बैलों की कथा" (स्वाधीनता) जैसी कालजयी कहानियाँ हैं। प्रेमचंद की कहानियाँ "सामाजिक यथार्थवाद" (Social Realism) की अद्वितीय मिसाल हैं — वे किसान, दलित, महिला और गरीब के जीवन को केंद्र में रखती हैं। "कफ़न" को उनकी सर्वोत्कृष्ट कहानी माना जाता है जिसमें घीसू और माधव के माध्यम से मृत्यु, भूख और सामाजिक विडंबना का तीखा चित्रण है।

संदर्भ: मुंशी प्रेमचंद — "मानसरोवर", 8 भाग; NCERT Hindi Class 9 — Kshitij, Ch 1 "Do Bailon Ki Katha";

प्र.4. "बाढ़ के बाद मच्छर जनित रोगों" (Vector-Borne Diseases) का खतरा क्यों बढ़ जाता है और मलेरिया के परजीवी का वाहक कौन सा मच्छर है? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)

उत्तर: रुके जल में मच्छर प्रजनन; Anopheles (मादा)

व्याख्या: बाढ़ के बाद जल रुक जाता है — गड्ढों, नालों, टायरों, बर्तनों में। यह "रुका हुआ जल" (Stagnant Water) मच्छरों के लार्वा पनपने का आदर्श स्थान है। इससे: (1) मलेरिया — "Anopheles" (मादा) मच्छर से "Plasmodium" परजीवी फैलता है; (2) डेंगू/चिकनगुनिया — "Aedes aegypti" मच्छर से; (3) जापानी एनसेफेलाइटिस — "Culex" मच्छर से। बाढ़ में ये मच्छर अत्यधिक बढ़ते हैं क्योंकि प्रदूषित जल के पोषक तत्व लार्वा के विकास में सहायक होते हैं। बिहार में बाढ़ के बाद JE (जापानी बुखार) और मलेरिया के प्रकोप की वार्षिक समस्या है।

संदर्भ: NCERT Biology Class 12, Ch 8 Human Health and Disease, p. 155–157;

प्र.5. "मदर टेरेसा" (Mother Teresa) को 1979 में नोबेल शांति पुरस्कार मिला — वे किस देश में जन्मी थीं और उन्होंने भारत में किस संगठन की स्थापना की? (इतिहास)

उत्तर: मैसेडोनिया (अल्बानिया); मिशनरीज ऑफ चैरिटी (1950, कोलकाता)

व्याख्या: मदर टेरेसा (26 अगस्त 1910 — 5 सितंबर 1997) का जन्म मैसेडोनिया (तत्कालीन ऑटोमान साम्राज्य, अब उत्तरी मैसेडोनिया) में एक अल्बानियाई परिवार में हुआ था। 1929 में वे कोलकाता आईं और 1950 में "मिशनरीज ऑफ चैरिटी" (Missionaries of Charity) की स्थापना की जो गरीब, बीमार, अनाथ और मृत्युशय्या पर पड़े लोगों की सेवा करती है। 1979 में उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार मिला। 2016 में पोप फ्रांसिस ने उन्हें "संत" (Saint) घोषित किया। "विश्व मानवतावादी दिवस" पर मदर टेरेसा की मानवता-सेवा का स्मरण अत्यंत प्रासंगिक है।

संदर्भ: NCERT History Class 10 Reference; Nobel Peace Prize Records 1979;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. "भारत का सबसे ऊँचा जलप्रपात" (Highest Waterfall) कौन सा है और यह किस राज्य में है? (भूगोल)
उत्तर: कुंचिकल जलप्रपात (Kunchikal Falls); कर्नाटक (455 मीटर)
व्याख्या: "कुंचिकल जलप्रपात" (Kunchikal Falls) कर्नाटक के शिमोगा जिले में वाराही नदी पर स्थित है — यह भारत का सबसे ऊँचा जलप्रपात है (455 मीटर/1493 फीट)। हालाँकि यह "नोहकलिकाई जलप्रपात" (मेघालय, 340 मीटर) और "दूधसागर जलप्रपात" (गोवा-कर्नाटक, 310 मीटर) से ऊँचा है किंतु मानसूनी जलप्रपात के रूप में कम प्रसिद्ध है। "जोग जलप्रपात" (Jog Falls, कर्नाटक, 253 मीटर) भारत का सबसे प्रसिद्ध "खंडित जलप्रपात" (Segmented Waterfall) है जो शरावती नदी पर है। "विश्व मानवतावादी दिवस" पर जल-संसाधन और प्रकृति संरक्षण विषय विशेष प्रासंगिक है।
संदर्भ: NCERT Geography Class 9, Ch 3 Drainage, p. 28–30;

प्र.7. "निवारक निरोध" (Preventive Detention) को संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत मूल अधिकारों से छूट दी गई है? (राजनीति एवं संविधान)
उत्तर: अनुच्छेद 22(3) से 22(7)
व्याख्या: भारतीय संविधान का अनुच्छेद 22 "गिरफ्तारी एवं निरोध से संरक्षण" प्रदान करता है। अनुच्छेद 22(1-2) सामान्य गिरफ्तारी में अधिकार देता है — 24 घंटे में मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश करना और वकील का अधिकार। किंतु अनुच्छेद 22(3) से 22(7) "निवारक निरोध" (Preventive Detention) के मामले में इन सुरक्षाओं को सीमित करता है: (1) 24 घंटे की सीमा लागू नहीं; (2) वकील का अधिकार नहीं; (3) केवल 3 माह (संसदीय बोर्ड की मंजूरी से विस्तार)। NSA, COFEPOSA, PITNDPS आदि निवारक निरोध कानून इसी आधार पर वैध हैं। आलोचकों का मानना है कि यह "व्यक्तिगत स्वतंत्रता" के विरुद्ध है।
संदर्भ: Constitution of India, Article 22; NCERT Political Science Class 9, Ch 5 Democratic Rights, p. 93;

प्र.8. "रेबीज़ वायरस" शरीर में किस मार्ग से मस्तिष्क तक पहुँचता है और काटे जाने के बाद उपचार हेतु कौन सा टीका लगाया जाता है? (विज्ञान)
उत्तर: तंत्रिका तंत्र (Peripheral Nerves) से; PEP — Post Exposure Prophylaxis (ARV/RIG)
व्याख्या: रेबीज़ वायरस (Lyssavirus) पागल कुत्ते, बंदर, बिल्ली, चमगादड़ के काटने से घाव में प्रवेश करता है। इसके बाद यह "परिधीय तंत्रिकाओं" (Peripheral Nerves) के एक्सॉन (Axon) के माध्यम से "रेट्रोग्रेड ट्रांसपोर्ट" (Retrograde Transport) से मस्तिष्क की ओर बढ़ता है। गति: 8-20 mm/दिन। मस्तिष्क पहुँचने पर मृत्यु लगभग अटल है (100% घातक)। इसीलिए तुरंत उपचार अनिवार्य है: PEP (Post Exposure Prophylaxis): (1) घाव को 15 मिनट साबुन-पानी से धोएँ; (2) ARV (Anti-Rabies Vaccine) — 0, 3, 7, 14, 28 दिन पर; (3) गंभीर मामलों में RIG (Rabies Immunoglobulin) — घाव के पास इंजेक्ट करें। भारत में सरकारी अस्पतालों में ARV निःशुल्क उपलब्ध है।
संदर्भ: NCERT Biology Class 12, Ch 8 Human Health and Disease, p. 155;

प्र.9. "रंगोली" (Rangoli) भारत की किस सांस्कृतिक परंपरा का भाग है — इसे विभिन्न राज्यों में क्या-क्या नामों से जाना जाता है? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: लोक कला (Folk Art) — त्योहारों पर भूमि-अलंकरण; कोलम, अल्पना, अरिपन, रंगावली
व्याख्या: "रंगोली" भारत की प्राचीन लोक-चित्र परंपरा है जिसमें रंगीन पाउडर, फूल, चावल और रेत से भूमि पर सुंदर आकृतियाँ बनाई जाती हैं — मुख्यतः त्योहारों, विवाह और मांगलिक अवसरों पर। विभिन्न राज्यों में नाम: कोलम (Kolam) — तमिलनाडु/केरल, चावल से बनाई; अल्पना (Alpona) — पश्चिम बंगाल, सफेद चावल घोल; अरिपन (Aripan) — बिहार/मिथिला, विवाह अनुष्ठानों में; रंगावली — कर्नाटक; मुग्गू — आंध्र प्रदेश; चौक — उत्तर प्रदेश। बिहार की "अरिपन" मिथिला चित्रकला की उपशैली है। "कोलम" परंपरा को UNESCO की अमूर्त विरासत सूची में नामांकित किया जा चुका है।
संदर्भ: NCERT Class 11 — An Introduction to Indian Art, Ch 10 Folk and Tribal Art, p. 143–148;

प्र.10. बिहार में "राजगीर" (Rajgir) को "अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थल" के रूप में विकसित करने हेतु कौन सी नई परियोजना हाल ही में शुरू हुई है? (बिहार सामान्य ज्ञान)
उत्तर: राजगीर वन्यजीव अभयारण्य का विस्तार और "राजगीर ज़ू सफारी" का उन्नयन
व्याख्या: राजगीर (नालंदा जिला, बिहार) बौद्ध, जैन और हिंदू तीनों धर्मों का तीर्थस्थल है। बिहार सरकार ने राजगीर को विश्वस्तरीय पर्यटन केंद्र बनाने हेतु अनेक परियोजनाएँ शुरू की हैं: (1) राजगीर ज़ू सफारी का उन्नयन — जहाँ शेर, बाघ, तेंदुआ, भालू हैं; (2) राजगीर वन्यजीव अभयारण्य क्षेत्र विस्तार; (3) ग्लास ब्रिज और "Nature Safari" — पर्यटकों के लिए; (4) नालंदा विश्वविद्यालय परिसर से जोड़ने वाला मार्ग। यहाँ विश्व शांति स्तूप (जापान निर्मित), गृद्धकूट पर्वत (बुद्ध उपदेश स्थल) और गर्म जल कुंड (Brahma Kund) प्रमुख दर्शनीय स्थल हैं। राजगीर चंपारण क्षेत्र के बच्चों की पहुँच में बिहार का एक प्रमुख ऐतिहासिक-पर्यटन स्थल है।
संदर्भ: Bihar Tourism Development Authority; NCERT History Class 6, Ch 5 Kingdoms Kings and Early Republic, p. 58;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के BDMC कैलेंडर अगस्त W3 ("सांप-बिच्छू दंश, कुत्ते-बंदर एवं अन्य विषैले जीव-जंतुओं के काटने से होने वाली परेशानियाँ एवं उनके समाधान") के अनुसार – कुत्ते के काटने पर क्या तत्काल प्राथमिक उपचार करना चाहिए और कितने दिनों के भीतर ARV टीका लेना अनिवार्य है? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: 15 मिनट साबुन-पानी से धोएँ, 24 घंटे के भीतर ARV टीका लें

व्याख्या: BSDMA के BDMC कैलेंडर अगस्त W3 ("सांप-बिच्छू दंश, कुत्ते-बंदर एवं अन्य विषैले जीव-जंतुओं के काटने से होने वाली परेशानियाँ एवं उनके समाधान") के अनुसार, कुत्ते के काटने पर तत्काल करें: (1) घाव को 15 मिनट साबुन और बहते पानी से अच्छी तरह धोएँ – यह सबसे महत्वपूर्ण कदम है जो वायरस की मात्रा 99% तक कम करता है; (2) एंटीसेप्टिक (Dettol/Betadine) लगाएँ; (3) घाव को बाँधें नहीं – बंद घाव में वायरस तेज़ी से बढ़ता है; (4) 24-48 घंटे के भीतर नजदीकी PHC/CHC/सरकारी अस्पताल जाएँ जहाँ ARV (Anti-Rabies Vaccine) निःशुल्क मिलता है; (5) ARV का पूरा कोर्स (0, 3, 7, 14 दिन) लें – बीच में न छोड़ें; (6) WHO के अनुसार कुत्ते के काटने पर Category III (गहरा घाव) में RIG (Immunoglobulin) भी जरूरी है।

संदर्भ: BSDMA BDMC Calendar August W3 – "सांप-बिच्छू दंश, कुत्ते-बंदर एवं अन्य विषैले जीव-जंतुओं के काटने से होने वाली परेशानियाँ एवं उनके समाधान"

प्र.12. एक आयताकार कमरे की लंबाई 8 मीटर और चौड़ाई 6 मीटर है। यदि कमरे की दीवारों पर 2.5 मीटर ऊँचाई तक पेंट करानी हो, तो कुल पेंट का क्षेत्रफल कितना होगा? (दरवाजे-खिड़कियाँ नहीं हैं) (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: 70 वर्ग मीटर

व्याख्या: दीवारों का कुल क्षेत्रफल = "आयताकार कमरे की परिधि × ऊँचाई"। परिधि = 2(लंबाई + चौड़ाई) = 2(8 + 6) = 2 × 14 = 28 मीटर। क्षेत्रफल = परिधि × ऊँचाई = 28 × 2.5 = 70 वर्ग मीटर। यह "आयताकार कक्ष की पार्श्व सतह" (Lateral Surface Area of Cuboid) का मानक प्रश्न है। BPSC, SSC, Railway परीक्षाओं में "पेंटिंग, टाइल्स, कालीन" से संबंधित मेंसुरेशन प्रश्न अत्यंत प्रचलित हैं।

संदर्भ: NCERT Mathematics Class 8, Ch 11 Mensuration — Lateral Surface Area, p. 171–178;

GS संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

Govt. PS बोदसर

बगहा-2, प. चम्पारण ।

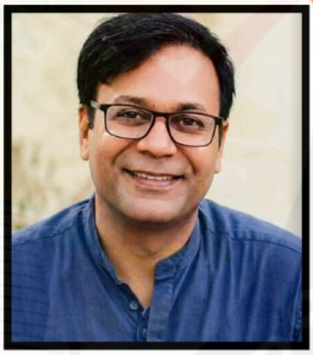

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Clandestine (क्लैन्डेस्टिन) = Secret (सीक्रेट) = गुप्त / गोपनीय
  Antonym – Open (ओपन) = खुला / सार्वजनिक

Deleterious (डेलिटीरियस) = Harmful (हार्मफुल) = हानिकारक / नुकसानदेह
  Antonym – Beneficial (बेनेफिशियल) = लाभकारी

Encomium (एनकोमियम) = Eulogy (यूलॉजी) = प्रशंसात्मक वक्तव्य / स्तुति
  Antonym – Condemnation (कन्डेमनेशन) = निंदा / भर्त्सना

Furtive (फर्टिव) = Secretive (सीक्रेटिव) = छिपा हुआ / चोरी-छिपे किया गया
  Antonym – Overt (ओवर्ट) = खुला / प्रत्यक्ष

Intransigent (इन्ट्रैन्सिजेन्ट) = Uncompromising (अनकॉम्प्रोमाइजिंग) = अड़ियल / समझौता न करने वाला
  Antonym – Compliant (कम्प्लायन्ट) = आज्ञाकारी / सहमत होने वाला

~: संकलन :~

राकेश कुमार राव

प्रधानाध्यापक

PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय

वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण ।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

English Headline: Ministry of Mines Launches 'National Critical Mineral Recovery Grid' to Accelerate Domestic Processing of Lithium and Rare Earths.
हिन्दी अनुवाद: खान मंत्रालय ने लिथियम और दुर्लभ पृथ्वी तत्वों (Rare Earths) के घरेलू प्रसंस्करण में तेजी लाने के लिए 'राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज रिकवरी ग्रिड' की शुरुआत की।
भारत को स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों और सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला में आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से खान मंत्रालय ने यह समर्पित ढांचा अधिसूचित किया है। इसके तहत घरेलू स्तर पर महत्वपूर्ण खनिजों के खनन, ई-कचरे से तत्वों की पुनप्राप्ति (Recovery) और रिफाइनिंग इकाइयों को विशेष उत्पादन-संबद्ध प्रोत्साहन (PLI) और अनुसंधान अनुदान प्रदान किया जाएगा।

English Headline: NITI Aayog Releases 'State Green Hydrogen and Clean Mobility Readiness Index 2026', Highlighting Industrial Decarbonization.
हिन्दी अनुवाद: नीति आयोग ने औद्योगिक डीकार्बोनाइजेशन को रेखांकित करते हुए 'राज्य हरित हाइड्रोजन और स्वच्छ गतिशीलता तत्परता सूचकांक 2026' जारी किया।
नीति आयोग द्वारा जारी नवीनतम मूल्यांकन में हरित हाइड्रोजन के उत्पादन, इलेक्ट्रोलाइज़र विनिर्माण और भारी माल ढुलाई में शून्य-उत्सर्जन ईंधन के उपयोग में गुजरात, ओडिशा और आंध्र प्रदेश शीर्ष प्रदर्शनकर्ता बनकर उभरे हैं। यह रिपोर्ट 2030 तक 5 मिलियन मीट्रिक टन ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन के राष्ट्रीय लक्ष्य की प्रगति का आकलन करती है।

English Headline: ISRO Completes Integrated High-Altitude Ignition Tests of Indigenous Cryogenic Engine for Next-Gen Launchers.
हिन्दी अनुवाद: इसरो ने अगली पीढ़ी के प्रक्षेपकों के लिए स्वदेशी क्रायोजेनिक इंजन का एकीकृत उच्च-ऊंचाई इग्निशन परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया।
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने लिक्विड प्रोपल्शन सिस्टम सेंटर (LPSC) में नए क्रायोजेनिक अपर-स्टेज इंजन का सफल वैक्यूम इग्निशन परीक्षण किया। यह तकनीक आगामी भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (BAS) के मॉड्यूल और गहरे अंतरिक्ष विज्ञान अभियानों के लिए भारी उपग्रहों को सटीक उच्च कक्षा में स्थापित करने में सहायक होगी।

INTERNATIONAL NEWS

English Headline: UN Economic and Social Council (ECOSOC) Passes Framework on 'Global Data Equity and Cross-Border Digital Public Infrastructure'.
हिन्दी अनुवाद: संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद (ECOSOC) ने 'वैश्विक डेटा समानता और सीमा पार डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना' पर रूपरेखा पारित की।
न्यूयॉर्क में आयोजित विशेष सत्र के दौरान संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों ने डिजिटल विभाजन को पाटने और वित्तीय समावेशन को मजबूत करने के लिए वैश्विक सहमति बनाई। इस प्रस्ताव में भारत के डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर (DPI) मॉडल की सराहना करते हुए विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में ओपन-सोर्स डिजिटल पेमेंट और पहचान प्रणालियों को लागू करने का आह्वान किया गया।

English Headline: International Energy Agency (IEA) Issues 'Global Critical Minerals Supply Outlook 2026', Calling for Diversified Supply Networks.
हिन्दी अनुवाद: अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (IEA) ने 'वैश्विक महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति आउटलुक 2026' जारी कर विविध आपूर्ति नेटवर्क्स का आह्वान किया।
पेरिस स्थित अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने अपनी नवीनतम रिपोर्ट में स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के लिए आवश्यक खनिजों (जैसे कोबाल्ट, निकल और ग्रेफाइट) के एकाधिकार को समाप्त करने पर जोर दिया है। रिपोर्ट में अंतरराष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से रीसाइक्लिंग प्रौद्योगिकियों को साझा करने और आपूर्ति श्रृंखला के लचीलेपन को बढ़ाने की सिफारिश की गई है।

English Headline: World Health Organization (WHO) Activates 'Global Climate-Health Action Network 2.0' to Tackle Extreme Heatwaves.
हिन्दी अनुवाद: विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने अत्यधिक लू (हीटवेव) से निपटने के लिए 'वैश्विक जलवायु-स्वास्थ्य कार्य नेटवर्क 2.0' सक्रिय किया।
चरम मौसमी घटनाओं और बढ़ते वैश्विक तापमान से होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं को कम करने के लिए डब्ल्यूएचओ ने यह अंतरराष्ट्रीय प्लेटफॉर्म शुरू किया है। इसके तहत सदस्य देशों को रीयल-टाइम हीट-वेव पूर्व चेतावनी, आपातकालीन प्रतिक्रिया योजना और शहरी शीतलन रणनीति तैयार करने में तकनीकी सहायता मिलेगी।

BIHAR NEWS

English Headline: Bihar Department of Industries Approves Special Cluster Policy for Agro-Export and Silk Production in Bhagalpur-Munger Belt.
हिन्दी अनुवाद: बिहार उद्योग विभाग ने भागलपुर-मुंगेर बेल्ट में कृषि-निर्यात और रेशम उत्पादन के लिए विशेष क्लस्टर नीति को मंजूरी दी।
राज्य में पारंपरिक उद्योगों के आधुनिकीकरण और कारीगरों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से बिहार सरकार ने वित्तीय प्रोत्साहन योजना स्वीकृत की है। इसके तहत भागलपुरी सिल्क, कतरनी चावल और आम प्रसंस्करण इकाइयों को क्लस्टर स्तर पर आधुनिक परीक्षण प्रयोगशालाएं, पैकेजिंग केंद्र और निर्यात सब्सिडी उपलब्ध कराई जाएगी।

English Headline: Bihar Forest and Climate Change Department Initiates Integrated Wetland Rejuvenation Project for Baraila Lake in Vaishali.
हिन्दी अनुवाद: बिहार वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग ने वैशाली स्थित बरैला झील के लिए एकीकृत आर्द्रभूमि पुनरुद्धार परियोजना शुरू की।
उत्तर बिहार की महत्वपूर्ण आर्द्रभूमियों (Wetlands) के संरक्षण के तहत बरैला झील के पारिस्थितिकी तंत्र को बहाल करने का अभियान शुरू किया गया है। इसका उद्देश्य झील के प्राकृतिक जल प्रवाह को पुनर्जीवित करना, प्रवासी पक्षियों के आवास को सुरक्षित करना और स्थानीय स्तर पर पर्यावरण-पर्यटन (Eco-tourism) को बढ़ावा देना है।

SPORTS NEWS

English Headline: Indian Junior Wrestling Squad Clinches Multiple Medals at World Junior Wrestling Championships.
हिन्दी अनुवाद: भारतीय जूनियर कुश्ती दल ने विश्व जूनियर कुश्ती चैंपियनशिप में कई पदक अपने नाम किए।
अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय युवा पहलवानों ने उत्कृष्ट तकनीकी कौशल और शारीरिक सहनशक्ति का परिचय देते हुए फ्रीस्टाइल और ग्रीको-रोमन दोनों श्रेणियों में स्वर्ण और कांस्य पदक जीते, जिससे भारत ने समग्र पदक तालिका में शीर्ष तीन में स्थान सुनिश्चित किया।

English Headline: International Hockey Federation (FIH) Adopts Advanced Video Analytics and Smart Turf Sensors for Global Tournaments.
हिन्दी अनुवाद: अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (FIH) ने वैश्विक टूर्नामेंटों के लिए उन्नत वीडियो एनालिटिक्स और स्मार्ट टर्फ सेंसर लागू किए।
मैच के दौरान अंपायरिंग निर्णयों में पारदर्शिता लाने और खेल की गति को बनाए रखने के लिए एफआईएच ने तकनीकी नियमों को अद्यतन किया है। इसके तहत गोल-लाइन और पेनल्टी कॉर्नर के दौरान गेंद के सूक्ष्म विचलन को सटीक रूप से ट्रैक करने के लिए एआई कैमरों का उपयोग किया जाएगा।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण ।

✍️ संदेश:

"खबरें केवल वर्तमान का दर्पण नहीं होतीं, बल्कि वे भविष्य के अवसरों और चुनौतियों को समझने की दृष्टि प्रदान करती हैं। निरंतर पढ़ते रहें और जागरूक रहें।"

प्रेरक प्रसंग

सुंदरता से बड़ा गुण

एक गाँव में एक किसान का हरा-भरा खेत था। खेत के पास ही एक सुंदर मोर रहता था। उसके पंख बेहद आकर्षक थे। जब भी वह पंख फैलाकर नाचता, आसपास के पक्षी उसे देखने लगते। अपने सौंदर्य पर मोर को बहुत गर्व था।

वह अक्सर दूसरे पक्षियों से कहता, "देखो, मेरे पंख कितने सुंदर हैं! मुझसे सुंदर इस पूरे इलाके में कोई नहीं।"

पास ही रहने वाली एक मैना उसकी बातें सुनती, लेकिन कभी कुछ नहीं कहती। वह चुपचाप अपना भोजन खोजती और आसपास की गतिविधियों पर नजर रखती।

एक दिन अचानक आसमान में काले बादल छा गए। देखते ही देखते तेज बारिश शुरू हो गई। लगातार बारिश से खेत में पानी भरने लगा और फसल डूबने का खतरा पैदा हो गया।

बारिश थोड़ी थमी तो किसान अपनी फसल देखने खेत की ओर गया। उसने देखा कि एक मैना खेत की मेड़ के पास बार-बार फुदक रही थी और नाली की ओर देखकर चहचहा रही थी। किसान को कुछ असामान्य लगा। वह उस स्थान के पास गया तो देखा कि पानी निकालने वाली नाली पत्तियों, टहनियों और कचरे से पूरी तरह बंद थी।

किसान तुरंत समझ गया कि यदि पानी का रास्ता नहीं खोला गया तो खेत में पानी भर जाएगा। उसने फावड़ा उठाया और नाली में जमा कचरा हटाने लगा। कुछ ही देर में पानी का रास्ता खुल गया और खेत का अतिरिक्त पानी बाहर निकलने लगा। किसान की फसल बच गई।

पास खड़ा मोर यह सब देख रहा था। उसने अपने सुंदर पंखों की ओर देखा और मन ही मन सोचने लगा, "आज मेरे सुंदर पंख किसी के काम नहीं आए, लेकिन मैना की सतर्कता ने किसान का ध्यान खतरे की ओर खींच दिया।"

उस दिन मोर को अपनी भूल समझ में आई। उसने मैना से कहा, "अब मैं केवल अपने रूप पर गर्व नहीं करूँगा। किसी के काम आना ही सबसे बड़ा गुण है।"

मैना ने सहज भाव से कहा, "सुंदरता अच्छी है, लेकिन अच्छे कर्म उससे भी अधिक सुंदर होते हैं।"

उस दिन से मोर ने अपने सौंदर्य के साथ अपने व्यवहार और गुणों को भी महत्व देना शुरू कर दिया।

सीख: "असली सुंदरता रूप में नहीं, बल्कि उन गुणों और अच्छे कर्मों में होती है, जो दूसरों के काम आएँ।"

................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

अनुभाग-7

लोक नृत्य "झारी"

चम्पारण की खास लोक संगीत/नृत्य "झारी"

बिहार के तराई और चंपारण की सोंधी माटी में सावन की फुहारों के बीच जब हवाएं सरसराती हैं, तो वहां की चौपालों और सड़कों पर गूंजने वाली छड़ियों की 'खट-खट' की ताल सिर्फ एक आवाज़ नहीं, बल्कि सदियों पुरानी सांस्कृतिक जीवंतता की धड़कन है। गुजरात के डांडिया या देश के अन्य हिस्सों के पारंपरिक लाठी नृत्यों के समकक्ष खड़ी यह स्वदेशी लोककला "झारी" कहलाती है, जो मुख्य रूप से श्रावण मास, नागपंचमी और कजरी के उल्लासभरे दिनों में अपनी पूरी ऊर्जा के साथ प्रकट होती है। यह नृत्य और गीत का एक ऐसा अनूठा संगम है जिसमें ग्रामीण समाज की सादगी, खेतों की महक और सामूहिक आनंद का असीम विस्तार समाहित है।

झारी की जड़ें चंपारण के कृषि समाज और श्रम-संस्कृति के बहुत गहरे में उतरी हुई हैं। ऐतिहासिक रूप से, धान की कठिन रोपनी के थकान भरे दिनों के बाद जब सावन की रिमझिम फुहारें वातावरण को सुहाना बनाती थीं, तब ग्रामीण युवा और किसान शाम ढलते ही चौपालों पर एकत्र होते थे। यह नृत्य उनके लिए केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि शारीरिक स्फूर्ति और मानसिक उल्लास का माध्यम था। इसमें जाति, वर्ग और उम्र के बंधन स्वतः टूट जाते थे और पूरा गांव एक गोल घेरे में आकर हाथ में मजबूत बांस की छड़ियां थाम लेता था। मौखिक परंपराओं के जरिए पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तांतरित होती यह लोक शैली भगवान शिव की बारात, कृष्ण-लीला, प्रकृति के सौंदर्य और लोक-नायकों के आख्यानों को अपने गीतों के जरिए जीवंत रखती आई है।

झारी की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसकी पहचान केवल किसी एक समुदाय की सांस्कृतिक सीमा में बंद नहीं रही। उपलब्ध लोक-साहित्य संबंधी दस्तावेजों में पूर्वांचल की ऐसी परंपराओं का उल्लेख मिलता है, जिनमें हिन्दू समुदाय के लोग मुहर्रम के अवसर पर भी झारी गाते, ताजिया बनाते अथवा उसमें सहभागी होते रहे हैं। लोकरंग की सामग्री में इस साझा परंपरा का प्रत्यक्ष उल्लेख मिलता है और यह भी बताया गया है कि मुहर्रम में झारी लकड़ी के डंडों को बजाकर गाई जाती है। मुहर्रम की ऐतिहासिक-सांस्कृतिक स्मृति, विशेषकर हसन और हुसैन की कथा, संघर्ष और शहादत, लोकभाषा और लोकधुन के माध्यम से सामान्य ग्रामीण समाज तक पहुँचती है। कई जगह झारी गीतों में हसन-हुसैन को योगी के रूप में प्रस्तुत करने वाले लोकगीत का भी उल्लेख मिलता है।

इस लोक शैली की सबसे बड़ी खूबी इसका आंतरिक संगीत और अद्वितीय रिदम है। झारी में किसी बड़े, भारी या कृत्रिम वाद्य यंत्र की अनिवार्यता नहीं होती; कलाकारों के हाथों में लहराती छड़ियों का आपसी टकराव ही वह प्राकृतिक ताल पैदा करता है जो रोंगटे खड़े कर देने वाली ऊर्जा भर देता है। इसमें 'अगुआ' (मुख्य गायक) द्वारा उठाई गई लोकगीत की एक पंक्ति को घेरे में घूम रहे बाकी साथी 'पछुवा' (कोरस) के रूप में एक निश्चित ताल और तीव्र गति से दोहराते हैं। नृत्य की शुरुआत जहां एक धीमी, अनुशासित और संयत लय से होती है, वहीं जैसे-जैसे रात गहरी होती है, इसका टेम्पो (गति) इतना द्रुत और मत्त करने वाला हो जाता है कि दर्शक और कलाकार दोनों लोक-लय की एक अलग ही दुनिया में पहुंच जाते हैं।

विडंबना यह है कि आधुनिकता की अंधी दौड़, मनोरंजन के नए साधनों और पारंपरिक मेलों व चौपालों के सिमटते दायरे ने चंपारण की इस अनमोल थाती को आज विलुप्ति के मुहाने पर ला खड़ा किया है। राज्य के सांस्कृतिक मानचित्र पर इसे वह आधिकारिक पहचान और आदर नहीं मिल पाया जिसकी यह हकदार थी। इसके पारंपरिक गीतों, धुनों और नृत्यों के चरणों का कोई ठोस डिजिटल या लिखित दस्तावेजीकरण न होने के कारण यह कला अब चंपारण के कुछ सुदूर गांवों के बुजुर्गों की स्मृतियों तक सिमट कर रह गई है। यदि समय रहते इसे संरक्षित नहीं किया गया, तो आने वाली पीढ़ियां इस समृद्ध विरासत को केवल किंवदंतियों के रूप में ही जान पाएंगी।

बिहार के कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, स्थानीय प्रशासन, विश्वविद्यालयों, विद्यालयों और सांस्कृतिक संगठनों के सहयोग से यदि ऐसे प्रयास किए जाएँ तो झारी जैसी लोकपरंपराएँ केवल संग्रहालय की वस्तु बनने से बच सकती हैं। युवा पीढ़ी इन्हें डिजिटल माध्यम, लोक-मंच, वृत्तचित्र और शैक्षिक गतिविधियों के माध्यम से नए दर्शकों तक पहुँचा सकती है।

इस अनमोल लोक-विरासत को बचाने के लिए अब केवल चिंता व्यक्त करने का नहीं, बल्कि युद्धस्तर पर सार्थक पहल करने का समय है। बिहार सरकार के कला, संस्कृति एवं युवा विभाग को चाहिए कि वे राजकीय महोत्सवों, लोक-उत्सवों और पर्यटन सर्किट में झारी के पारंपरिक दलों को मंच और प्रोत्साहन प्रदान करें, ताकि कलाकारों को आर्थिक संबल भी मिल सके।

साथ ही, आज की Gen Z और युवा पीढ़ी से यह गंभीर आह्वान है कि वे अपनी जड़ों से कटने के बजाय इस स्वदेशी ताल को अपनी आधुनिक सांस्कृतिक पहलों, डिजिटल रील्स और फ्यूजन संगीत का हिस्सा बनाएं। जब तक युवा अपनी मिट्टी की इस अनूठी लय पर गर्व करना नहीं सीखेंगे, तब तक हमारी लोक-पहचान अधूरी रहेगी। झारी को बचाना केवल एक विलुप्त होती कला को पुनर्जीवित करना नहीं है, बल्कि अपनी उस सामूहिक सांस्कृतिक आत्मा को बचाना है जो हमें हमारी पहचान से जोड़ती है।

.................✍️
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र|बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बाद इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छूट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक मे प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त मे यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वो का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ मे स्वीच का कार्य, पर्यावरण मे प्राथमिक उत्पादक, मानव मे पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन है। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत मे प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026 बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यावहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक, संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

> सरकारी विद्यालयों मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
>
> फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

"बिहार दर्शन : जहानाबाद, अंक–3"

'संपादकीय'✍️

शीर्षक: जहानाबाद: सब्जी व दुग्ध आर्थिकी, लॉजिस्टिक्स हब और भावी विकास

जहानाबाद की सांस्कृतिक और सामाजिक समरसता का हृदय इसके पावन धामों, गंगा-जमुनी तहज़ीब के मेलों और स्थानीय लोक-जीवन में धड़कता है। मखदुमपुर का वाणेश्वर मेला और हज़रत मखदूम साहब का वार्षिक उर्स पूरे जिले को एक रंगारंग सामाजिक डोर में पिरोता है। दर्धा नदी के तटों पर आयोजित होने वाले पारंपरिक उत्सव और ग्रामीण अंचलों में गूँजते मगही लोकगीत यहाँ के सामाजिक ताने-बाने को एक सूत्र में बांधे रखते हैं।

आर्थिक और कृषि मोर्चे पर जहानाबाद की सबसे बड़ी ताकत यहाँ की 'सघन सब्जी व दुग्ध आर्थिकी' है। पटना और गया जैसे दो बड़े महानगरों के ठीक बीच स्थित होने का सीधा लाभ यहाँ के किसानों को मिलता है। काको, घोसी और मोदनगंज प्रखंडों में गोभी, टमाटर, बैंगन और हरी मिर्च की रिकॉर्ड पैदावार होती है। प्रतिदिन दर्जनों ट्रकों और लोकल ट्रेनों के माध्यम से ताज़ी सब्जियाँ पटना और गया की थोक मंडियों में भेजी जाती हैं, जो स्थानीय किसानों को निरंतर नकद तरलता (Daily Cash Flow) प्रदान करती हैं।

पशुपालन और डेयरी उद्योग की बात करें तो जहानाबाद ग्रामीण परिवारों के लिए वित्तीय आत्मनिर्भरता का मजबूत स्तंभ है। सुधा डेयरी (Comfed) के विस्तृत दुग्ध संकलन केंद्रों और चिलिंग प्लांट्स के नेटवर्क के जरिए प्रतिदिन हज़ारों लीटर दूध का संकलन होता है। इसके साथ ही, दर्धा और मोरहर नदियों के उपजाऊ कछारों में होने वाले गेहूं, धान और मसूर की खेती जिले की मुख्य खाद्य सुरक्षा और व्यापारिक आर्थिकी को संबल देती है।

ढांचागत विकास और कनेक्टिविटी के मोर्चे पर जहानाबाद आज एक रणनीतिक मोड़ पर खड़ा है। पटना-गया-डोभी फोर-लेन (NH-83) के निर्माण और पटना-गया रेलखंड के दोहरीकरण व विद्युतीकरण ने जहानाबाद को एक उत्कृष्ट 'एग्रो-लॉजिस्टिक्स और ट्रांजिट हब' के रूप में तब्दील कर दिया है। राजधानी पटना से मात्र एक घंटे की दूरी होने के कारण यह क्षेत्र वेयरहाउसिंग और लघु विनिर्माण इकाइयों के लिए आदर्श स्थल बनकर उभरा है।

भविष्य के आर्थिक रोडमैप की बात करें तो जहानाबाद में 'फ़ूड प्रोसेसिंग पार्क्स' और 'कोल्ड चेन नेटवर्क' की अपार संभावनाएँ हैं। काको और मखदुमपुर में आधुनिक सब्जी प्रसंस्करण व टमाटर प्यूरी इकाइयाँ स्थापित कर किसानों को बिचौलियों से मुक्त कर सीधी बाजार पहुँच दी जा सकती है। इसके साथ ही, बराबर की पहाड़ियों (वाणेश्वर धाम सर्किट) को राज्य के इको-टूरिज्म मैप से जोड़कर यदि प्रचारित किया जाए, तो यह स्थानीय युवाओं के लिए रोज़गार और आजीविका के नए द्वार खोलने में पूरी तरह सक्षम है।

जहानाबाद का यह अंतिम अंक यह प्रमाणित करता है कि यह जिला अपने किसान आंदोलनों के ऐतिहासिक स्वाभिमान को सहेजे हुए आधुनिक कृषि-व्यापार और लॉजिस्टिक्स के बल पर बिहार की प्रगति में अग्रगामी भूमिका निभा रहा है। वाणेश्वर की पावन धारा से लेकर काको के हरे-भरे सब्जी खेतों तक, मखदूम साहब के सौहार्द से लेकर पटना-गया हाईवे की तेज़ रफ्तार तक—जहानाबाद स्वावलंबन और विकास का एक जीवंत मॉडल प्रस्तुत करता है।

...........✍️

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org